CRRI NEWSLETTER

CENTRAL RICE RESEARCH INSTITUTE
INDIAN COUNCIL OF AGRICULTURAL RESEARCH
CUTTACK (ODISHA) 753 006, INDIA

Phone: **91-671-2367768-83 | *Fax:* 91-671-2367663 | *Telegram:* RICE**
Email: **crrictc@ori.nic.in *or* ctk_crriinfo@sancharnet.in *or* directorcrri@satyam.net.in**
URL: http://www.crri.nic.in

Vol.33; No.1/2012 **ISSN 0972-5865** **January–March 2012**

Eastern Zone Agricultural Fair Organized at CRRI

SHOWCASING the technologies and exchange of information will lead to improvement in the production and productivity of crops in eastern India, and this Fair gives the opportunity to the farmers' to improve their cultivation practices," said Dr R.P. Dua, Assistant Director-General (FFC), Indian Council of Agricultural Research (ICAR), New Delhi during his address as Chief Guest at the CRRI, Cuttack on 21 Feb 2012. He also spoke on the initiatives of the Government of India through various programmes under the Rashtriya Krishi Vikas Yojana (RKVY) such as the project 'Bringing Green Revolution to Eastern India (BGREI).' Shri R.S. Gopalan, IAS, Director of Agriculture and Food Production, Government of Odisha spoke on the activities of his Department in Odisha. Dr A.K. Padhee, IAS, Director, Special Project, Department of Panchayati

Ravi Viswanathan

A view of the participants at the Eastern Zone Agricultural Fair.

सीआरआरआई में पूर्वांचल क्षेत्रीय कृषि मेला आयोजित

केंद्रीय चावल अनुसंधान संस्थान, कटक में २१ से २३ फरवरी २०१२ के दौरान पूर्वांचल क्षेत्रीय कृषि मेला आयोजित की गई। डॉ.आर.पी. दुआ, सहायक महानिदेशक (एफएफसी), भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर), नई दिल्ली ने २१ फरवरी २०१२ को मेले का उदघाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि 'प्रौद्योगिकियों की प्रदर्शनी तथा सूचनाओं के आदान प्रदान से पूर्वांचल क्षेत्र में फसलों की उत्पादकता तथा उत्पादन वृद्धि होगी एवं किसानों को उनकी खेती पद्धतियों में सुधार करने के लिए यह मेला एक अवसर प्रदान करता है।' उन्होंने भारत सरकार द्वारा चलाए जा रहे राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के तहत कई कार्यक्रमों जैसे 'पूर्वी भारत में हरित क्रांति आरंभ करने के लिए' परियोजनाओं पर भी कहा। श्री आर.एस. गोपालन, आईएएस, निदेशक, कृषि तथा खाद्य उत्पादन, ओडिशा सरकार ने ओडिशा सरकार द्वारा किए जा रहे विभिन्न कार्यक्रमों के बारे में कहा। डॉ.ए.के. पाढ़ी, आईएएस, निदेशक, विशेष

Left to right: Shri R.S. Gopalan, Drs T. Mohapatra, R.P. Dua and A.K. Padhee on the dais.

Ravi Viswanathan

Raj, Government of Odisha explained the networking of different Departments to implement the policies of both the Government of India and the Government of Odisha at the farmers' level. Dr T. Mohapatra, Director, CRRI welcomed the gathering. The Fair was attended by more than 1,200 farmers and officials from eastern India that included Odisha, Bihar, Jharkhand, Chhattisgarh and West Bengal, different ICAR institutes, State Agricultural Universities, State Departments of Agriculture, ATMA, Krishi Vigyan Kendras, non-governmental agencies and the seed industry. The Fair had interactive seminars and Kisan Ghostis. Different publications were released. The Fair had 70 stalls put by the CRRI, different institutes, Government and private agencies.

P. Kar

Shri G.C. Pati spoke on the issues and strategies to enhance agricultural production.

A workshop on "Enhancing Agricultural Productivity in Eastern India—Issues and Strategies" was organized under the Chairmanship of Shri G.C. Pati, IAS, Additional Secretary, Ministry of Agriculture, Government of India. Shri R. Jamuda, IAS, Principal Secretary (Agriculture), Government of Odisha also participated. At the valedictory function held on 23 Feb 2012 the Chief Guest was Shri G.C. Pati, IAS, Additional Secretary and Dr D.P. Ray, Vice-Chancellor, Orissa University of Agriculture and Technology (OUAT), Bhubaneswar the Guest of Honour. Progressive farmers were felicitated for their innovative farming practices. The farmer's were Lakhmi Priya Dhan, Dihigop, Kahanga, Cuttack; Satya Nand Dash, Pithapada, Cuttack; Padma Nabh Rout, Chadeipada, Cuttack; Meena Devi, Malai Block Baisi, Bihar; Smt Ruby Deve, Gyandob, Block Amour, Bihar; Sunakar Mishra, Mahisara, Block Jarka, Jajpur; Dibakar Jena, Cuttack; Jwel Tigga, Village Karga, Jharkhand; Ruleshwar Mahto, Village Chanaro, Jharkhand; Krushadhwaj Choudhury, At Kendeimal, Tikiba, Sambalpur; Omkar Nath Singh, Bihar; Dibakar Jena, Sankhatras, Cuttack Sadar; Maitry Kumar Kaner, Maheshram, Chhattisgarh; and Rajendra Singh, Maheshram, Chhattisgarh. A "Best Stall" prize was given to the Department of Horticulture, Government of Odisha for showcasing innovations and to M/s Subash Iron and Agricultural Industries, Industrial Estate, Kesinga, Kalahandi for farm implements.

Shri G.C. Pati hands over a certificate to a progressive farmer.

P. Kar

परियोजना, पंचायती राज विभाग, ओडिशा सरकार ने किसानों के स्तर पर भारत सरकार तथा ओडिशा सरकार के नीतियों के कार्यान्वयन के लिए विभिन्न विभागों के नेटवर्किंग के विषय में बताया। डॉ. त्रिलोचन महापात्र, निदेशक, केंद्रीय चावल अनुसंधान संस्थान ने सभा का स्वागत किया। मेले में ओडिशा, झारखंड, बिहार, छत्तीसगढ़ तथा पश्चिम बंगाल से लगभग १२०० से अधिक किसान एवं कृषि अधिकारियों ने भाग लिया। इसके अतिरिक्त, परिषद के विभिन्न संस्थान, राज्य कृषि विश्वविद्यालय, राज्य सरकारों के कृषि विभाग, कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंधन अभिकरण (आत्मा), कृषि विज्ञान केंद्रों, गैर सरकारी अभिकरणों तथा बीज उद्योग भी भाग लिया। मेले के दौरान कई विचार विमर्श संगोष्ठियों एवं किसान गोष्ठियों का आयोजन किया गया। मेले के उदघाटन अवसर पर विभिन्न प्रकाशनों का विमोचन हुआ। मेले में केंद्रीय चावल अनुसंधान संस्थान, विभिन्न संस्थान, सरकार एवं नीजी क्षेत्रों द्वारा कुल ७० स्टाल लगाए गए थे।

श्री जी.सी. पति, आईएएस, अतिरिक्त सचिव, कृषि मंत्रालय, भारत सरकार की अध्यक्षता में 'पूर्वी भारत में कृषि उत्पादकता की वृद्धि के लिए मुद्दें एवं रणनीतियां' विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। श्री आर. जामुदा, आईएएस, प्रधान सचिव, कृषि, ओडिशा सरकार ने भी इसमें भाग लिया। श्री जी.सी. पति, आईएएस, भारत सरकार, अतिरिक्त सचिव २३ फरवरी २०१२ को आयोजित समापन समारोह के मुख्य अतिथि थे तथा डॉ.डी.पी. राय, कुलपति, ओडिशा कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर सम्मानित अतिथि थे। समापन समारोह के अवसर पर प्रगतिशील किसान जैसे लक्ष्मी प्रिया धल, ढीहीगप, कहांगा, कटक, सत्य नंद दाश, पीठापड़ा, निश्चिंतकोइली, कटक, पदमानाभ राउत, चढेईपड़ा, टांगी चौद्वार, कटक, श्रीमती मीना देवी, मलाई प्रखंड बैसी, जिला-पुर्निया, बिहार, श्रीमती रुबी दवे, ज्ञानडब प्रखंड आमौर, जिला-पुर्निया, बिहार, सुनाकर मिश्र, मारिसारा प्रखंड, जारका, धर्मशाला, जाजपुर, दिबाकर जेना, डाक-शंखत्रास प्रखंड, कटक सदर, कटक, ज्वेल टिग्गा, गांव-कारगा, रुलेश्वर महातो, गांव-चनारो, जिला-हजारीबाग, झारखंड, कृषध्वज चौधरी, केंडइमल, टिकिबा, प्रखंड जमनकिरा, संबलपुर, ओमकार नाथ सिंह, बिहार, मैत्री कुमार कानेर, माहेश्राम, छत्तीसगढ़, राजेंद्र सिंह, माहेश्राम, छत्तीसगढ़ को उनके अभिनव खेती पद्धतियों के लिए सम्मानित किया गया। ओडिशा सरकार के बागवानी विभाग को अपने नवीन खोजों की प्रदर्शनी तथा एम/एस सुभाष आइरन एंड एग्रीकल्वराल इंडस्ट्रिज, इंडस्ट्रियल इस्टेट, केसिंगा, कालाहांडी को कृषि उपकरणों के कारण 'श्रेष्ठ स्टाल' का पुरस्कार किया गया।

Dr T. Mohapatra is Director, CRRI

Ravi Viswanathan

DR Trilochan Mohapatra took over as the Director of the CRRI, Cuttack on 13 Jan 2012. He was earlier a Principal Scientist at the National Research Centre on Plant Biotechnology, ICAR, New Delhi. His field of specialization is Molecular Genetics and Genomics. Dr Mohapatra is a Fellow of the National Academy of Agricultural Sciences (NAAS), New Delhi from 2006, and a Fellow of the National Academy of Sciences India, Allahabad from 2005. He has received the following awards: INSA Young Scientist Award, 1994; Prof. L.S.S. Kumar Memorial Award 1994 instituted by the Indian National Science Academy (INSA), New Delhi; NAAS-Tata Young Scientist Award of the NAAS, New Delhi for the Year 2000-2001; Dr B.P. Pal Memorial Award of the Indian Agricultural Research Institute, New Delhi for the year 2002; National Bioscience Award for Career Advancement of the Department of Biotechnology, Government of India for the year 2003-04; and the NASI-Reliance Industries Platinum Jubilee Award 2007. He is also an Associate Editor of the BMC Genetics, *Journal of Genetics* and the *Indian Journal of Genetics and Plant Breeding*. He has more than 90 research publications and has guided/advised more than 100 post-graduate students.

डॉ. त्रिलोचन महापात्र सीआरआरआई के निदेशक

डॉ. त्रिलोचन महापात्र ने १३ जनवरी २०१२ से सीआरआरआई, कटक का निदेशक का कार्यभार संभाल लिया है। वे इससे पहले प्रधान वैज्ञानिक के पद पर राष्ट्रीय पादप जैवप्रौद्योगिकी अनुसंधान केंद्र, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली में कार्यरत थे। उन्होंने आण्विक आनुवंशिकी तथा जीनोमिक्स पर विशेषज्ञता प्राप्त की है। डॉ. महापात्र वर्ष २००६ से राष्ट्रीय कृषि विज्ञान अकादमी, नई दिल्ली के सदस्य है तथा इलाहाबाद स्थित भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी में वर्ष २००५ से सदस्य है। डॉ. महापात्र को वर्ष १९९४ में आईएनएसए किशोर वैज्ञानिक पुरस्कार, राष्ट्रीय कृषि विज्ञान अकादमी, नई दिल्ली द्वारा वर्ष २००४ में संस्थापित प्रोफेसर एल.एस.एस कुमार स्मारक पुरस्कार, वर्ष २०००-०१ के लिए एनएएएस-टाटा, नई दिल्ली का किशोर वैज्ञानिक पुरस्कार, वर्ष २००२ के लिए भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली का डॉ.बी.पी. पाल स्मारक पुरस्कार, वर्ष २००३-०४ के लिए भारत सरकार के जैवप्रौद्योगिकी विभाग के कैरियर उन्नति हेतु राष्ट्रीय जीवविज्ञान पुरस्कार तथा वर्ष २००७ में एनएएसआई-रिलायंस इंडस्ट्रिज प्लाटिनम जुबिली पुरस्कार प्रदान किया जा चुका है। वे बीएमसी जेनेटिक्स, *जॉरनल ऑफ जेनेटिक्स* तथा *इंडियन जॉरनल ऑफ जेनेटिक्स एंड प्लांट ब्रिडिंग* के सहयोगी संपादक हैं। उन्होंने ९० से अधिक अनुसंधान सामग्रियों का प्रकाशन किया है तथा १०० से अधिक स्नातकोत्तर विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया है।

AZRA Conference Held

THE 13th AZRA Conference on "Applied Zoological Researches for National Food Security and Environmental Protection" was held at the CRRI, Cuttack from 15 to 16 Feb 2012. This was attended by more than 100 participants. Ninety research papers on applied zoological researches for national food security including crop protection, fisheries sciences and environment issues were presented and discussed. Dr B.B. David, President of AZRA, inaugurated the Conference. Dr T. Mohapatra, Director, CRRI welcomed the delegates. Dr Anand Prakash coordinated the Conference. Dr B. Senapati, Former Vice-Chancellor, OUAT, Bhubaneswar and Dr P. Jayasankar, Director, Central Institute of Freshwater Aquaculture (CIFA), ICAR, Bhubaneswar addressed the participants.

आजरा सम्मेलन आयोजित

सीआरआरआई, कटक में १५ से १६ फरवरी २०१२ के दौरान 'राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा तथा पर्यावरण सुरक्षा के लिए प्रायोगिक प्राणिविज्ञान अनुसंधान' पर १३वीं आजरा सम्मलन आयोजित की गई। इसमें १०० से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा हेतु फसल सुरक्षा, मात्स्यिकी तथा पर्यावरण विज्ञान समेत ९० प्रायोगिक प्राणिविज्ञान अनुसंधान आलेख प्रस्तुत किए गए एवं इन पर विचार विमर्श किया गया। डॉ.बी.बी. डेविड, अध्यक्ष, आजरा ने सम्मेलन का उदघाटन किया। डॉ. त्रिलोचन महापात्र, निदेशक, सीआरआरआई ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया। डॉ. आनंद प्रकाश ने सम्मेलन से संबंधित सभी कार्यक्रमों का कार्यान्वयन किया। प्राफेसर बी. सेनापति, भूतपूर्व कुलपति, ओयूएटी, भुवनेश्वर तथा डॉ. पी. जयसंकर निदेशक, केंद्रीय मीठाजल जीवपालन अनुसंधान संस्थान, भुवनेश्वर ने प्रतिभागियों का सम्मान किया।

Training Programmes at CRRI, Cuttack

A TRAINING programme on "Rice Production Technology" sponsored by the ATMA, Begusarai, Bihar was organized from 17 to 23 Jan 2012.

सीआरआरआई, कटक में प्रशिक्षण कार्यक्रम

१७ से २३ जनवरी २०१२ को 'चावल उत्पादन प्रौद्योगिकी' विषय पर आयोजित किया गया जिसे आत्मा, बेगुसराय, बिहार ने प्रायोजित किया गया था।

२७ से ३१ जनवरी २०१२ के दौरान 'संकर चावल उत्पादन प्रौद्योगिकी'

A training programme on "Hybrid Rice Production Technology" sponsored by the State Institute for Management of Agriculture (SIMA), Rahmankheda, Lucknow was organized from 27 to 31 Jan 2012.

A training programme on "Rice Production Technology" sponsored by Bodoland Territorial Council Kokrajhar, Assam was organized from 1 to 7 Mar 2012.

A training programme on "Rice Production Technology" sponsored by the ATMA, Koderma, Jharkhand was organized by from 20 to 24 Mar 2012.

A farmer's training programme sponsored by the M.S. Swaminathan Foundation from 1 to 2 Feb 2012.

CRRI: Champions in ICAR Inter-Zonal Sports Championship

FOR the third time, the CRRI lifted the ICAR Inter-Zonal Sports Championship held at CRIJAF, Barrackpore from 16 to 19 Jan 2012. The participants included 42 ICAR institutes in India. Shri P.K. Parida, CRRI was the Best Athlete. The winners were: *4 x 100 m relay*: First, CRRI; *100 m race:* First, Shri P.K. Parida; *200 m and 400 m race:* First, Shri P.K. Parida; *800 m race:* Second, Shri P.K. Parida; *Javelin (women):* Third, Smt Rojalia Kido; *Table tennis doubles (women):* Second, Kum Sabita Sahoo and Kum Sandhya R. Dalal.

D.R. Sahoo

Shri R.K. Sahu, Chef-de-Mission (third from left) receives the trophy.

CRRI: Champions in ICAR Zonal Sports Tournament

THE CRRI was adjudged the Champion in the ICAR Zonal tournament held at Patna from 19 to 22 Mar 2012 by scoring 105 points in the tournament, a record for the eastern zone. The tournament included 22 institutes of the ICAR from the eastern zone. Shri P.K. Parida, CRRI was declared the Best Athlete

पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसे राज्य कृषि प्रबंधन संस्थान, रहमानखेड़ा, लखनऊ द्वारा प्रायोजित किया गया था।

१ से ७ जनवरी २०१२ के दौरान 'चावल उत्पादन प्रौद्योगिकी' विषय पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसे बोडोलैंड क्षेत्रीय परिषद, कोकराझर, असम द्वारा प्रायोजित किया गया था।

२० से २४ मार्च २०१२ के दौरान 'चावल उत्पादन प्रौद्योगिकी' विषय पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसे आत्मा, कोडरमा, झारखंड द्वारा प्रायोजित किया गया था।

१ से २ फरवरी २०१२ को एक किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसे एम.एस. स्वामीनाथन संस्था ने प्रायोजित किया था।

आईसीएआर अंतर क्षेत्रीय खेलकूद प्रतियोगिता में सीआरआरआई चैंपियन

क्रायजाफ, बैराकपुर में १६ से १९ जनवरी २०१२ के दौरान आईसीएआर अंतर क्षेत्रीय खेलकूद प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसमें सीआरआरआई तीसरी बार चैंपियन हुआ। इस प्रतियोगिता में ४२ संस्थानों ने भाग लिया। श्री पी.के.परिड़ा, सीआरआरआई को पुरुष वर्ग में सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया। *४ x १०० मीटर रिले:* प्रथम, सीआरआरआई; *१०० मीटर दौड़:* प्रथम, श्री पी.के.परिड़ा; *२०० मीटर दौड़:* प्रथम, श्री पी.के.परिड़ा; *४०० मीटर दौड़:* प्रथम, श्री पी.के.परिड़ा; *८०० मीटर दौड़:* प्रथम, श्री पी.के.परिड़ा; *जावेलिन (महिला):* तृतीय, श्रीमती रोजालिया किडो; *टी.टी. डबल्स (महिला):* द्वितीय, कुमारी सबिता साहु तथा कुमारी संध्याराणी दलाल।

आईसीएआर क्षेत्रीय खेलकूद प्रतियोगिता में सीआरआरआई चैंपियन

आईसीएआर क्षेत्रीय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन १९ से २२ मार्च २०१२ के दौरान पटना में किया गया और इस खेलकूद में सीआरआरआई ने १०५ प्वाइंट जीत कर पूर्वी क्षेत्र के लिए एक रिकार्ड बनाया। इस प्रतियोगिता में परिषद के २२ संस्थानों ने भाग लिया। इस क्षेत्रीय खेलकूद प्रतियोगिता में श्री पी.के.परिड़ा, सीआरआरआई को पुरुष वर्ग में सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया

Left to right: Shri P.K. Parida (right) leaves the field behind in the 400 m race. The CRRI kabaddi team (left) in action. The CRRI team poses with the Trophy and the medals. Kum Sabita Sahoo and Shri P.K. Parida with their respective Best Athlete trophy.

D.R. Sahoo, Sabita Sahoo

(male) and Kum Sabita Sahoo, CRRI the Best Athlete (women) of the ICAR Zonal Sports tournament. The winners are: *4 x 100 m relay:* First; *Volley shooting:* First; *Kabaddi:* First; *100 m race (men):* First, Shri P.K. Parida; *200 m race (men):* First, Shri P.K. Parida; *200 m race (men):* Third, Shri S.K. Pandey; *400 m race (men):* First, Shri P.K. Parida; *High jump (men):* Second, Shri B. Pradhan; *Discuss (men):* First, Shri B. Pradhan; *Shotput (men):* First, Shri D.P. Behera; *Carrom:* Second, Shri B.K. Gochhayat; *100 m race (women):* First, Kum Sabita Sahoo; *200 m race (women):* First, Kum Sabita Sahoo; *High jump (women):* First, Kum Sabita Sahoo; *Long jump (women):* First, Kum Sabita Sahoo; *Discuss (women):* First, Smt Rojalia Kido; *Javelin (women):* Second, Smt Rojalia Kido; *Shotput (women):* Third, Smt Rojalia Kido; *Badminton singles (women):* Second, Smt Rojalia Kido; *Badminton doubles (women):* Second, Smt Rojalia Kido; *T.T. singles (women):* First, Kum Sandhya R. Dalal; *T.T. Doubles (women):* Second, Kum S. Sahoo and Kum Sandhya Rani Dalal.

Exhibition

THE CRRI exhibited its technologies in the State Level Agricultural Fair 2011–12 at Janata Maidan, Bhubaneswar from 25 to 28 Mar 2012.

Symposia/Seminars/Conferences/Trainings/ Visits/Workshops Attended

DR Anand Prakash attended the International Symposium on "100 years of Rice Science and Looking Beyond" at TNAU, Coimbatore from 9-10 Jan 2012. Drs K. Pande, B.C. Patra and S. K. Dash attended it from 9 to 12 Jan 2012.

Dr S.R. Dhua attended the 3rd Global Conference on "Plant Pathology for Food Security" at the Maharana Pratap University of Agriculture and Technology, Udaipur, Rajasthan from 10 to 13 Jan 2012.

Dr Anand Prakash attended the Review Meeting on BGREI at Lucknow on 12 Jan 2012.

Dr N.N. Jambhulkar delivered a lecture on "Data Analysis using SAS" on 19 Jan 2012 in a training programme on 'Data Analysis using SAS' organized by the OUAT, Bhubaneswar.

Dr N.N. Jambhulkar delivered a lecture on "Application of IT in Agriculture" on 22 Jan 2012 at the U.G.C. sponsored national seminar on 'The Impact of IT on Modern Indian Society of the 21st Century: A Case Study of Odisha' organized by the Department of Computer Science, Udaynath Autonomous College of Science and Technology, Adaspur, Cuttack.

Dr T. Mohapatra attended a Selection Committee meeting at the ASRB, New Delhi on 24 Jan 2012, and

तथा कुमारी सबिता साहु, सीआरआरआई को महिला वर्ग में सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया।

विजेताओं के नामः *४ x १०० मीटर रिलेः* प्रथम; *वॉली शूटिंगः* प्रथम; *कबड्डीः* प्रथम; *१०० मीटर दौड़ (पुरुष):* प्रथम, श्री पी.के.परिड़ा; *२०० मीटर दौड़ (पुरुष):* प्रथम, श्री पी.के.परिड़ा; *२०० मीटर दौड़ (पुरुष):* तृतीय, श्री एस.के. पांडे; *४०० मीटर दौड़ (पुरुष):* प्रथम, श्री पी.के.परिड़ा; *हाई जंप (पुरुष):* द्वितीय, श्री बी. प्रधान; *डिस्कस (पुरुष):* प्रथम, श्री बी. प्रधान; *शॉटपुट (पुरुष):* प्रथम, श्री डी.पी. बेहेरा; *कैरामः* द्वितीय, श्री बी.के. गोछायत; *१०० मीटर दौड़ (महिला):* प्रथम, कुमारी सबिता साहु; *२०० मीटर दौड़ (महिला):* प्रथम, कुमारी सबिता साहु; *हाई जंप (महिला):* प्रथम, कुमारी सबिता साहु; *लॉंग जंप (महिला):* प्रथम, कुमारी सबिता साहु; *डिस्कस (महिला):* प्रथम, श्रीमती रोजालिया किडो; *जावेलिन (महिला):* द्वितीय, श्रीमती रोजालिया किडो; *शॉटपुट (पुरुष):* तृतीय, श्रीमती रोजालिया किडो; *बैडमींटन सिंग्लस (महिला):* द्वितीय, श्रीमती रोजालिया किडो; *बैडमींटन डबल्स (महिला):* द्वितीय, श्रीमती रोजालिया किडो; *टी.टी. सिंग्लस (महिला):* प्रथम, कुमारी संध्याराणी दलाल; *टी.टी. डबल्स (महिला):* द्वितीय, कुमारी सबिता साहु तथा कुमारी संध्याराणी दलाल।

प्रदर्शनी

सीआरआरआई ने भुवनेश्वर के जनता मैदान में २३ से २८ मार्च २०१२ के दौरान आयोजित राज्य स्तरीय कृषि मेला में भाग लिया।

परिसंवाद/संगोष्ठी/सम्मेलन/प्रशिक्षण/परिदर्शन/ कार्यशाला में प्रतिभागिता

डॉ. आनंद प्रकाश ने टीएनएयू, कोयांबाटुर में ९ से १० जनवरी २०१२ के दौरान '१०० वर्ष की चावल विज्ञान तथा इसके आगे' विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय परिसंवाद में भाग लिया। डॉ.के. पांडे, डॉ. बी.सी. पात्र तथा डॉ.एस.के. दाश ने भी ९ से १२ जनवरी २०१२ के दौरान आयोजित इस अंतर्राष्ट्रीय परिसंवाद में भाग लिया।

डॉ.एस.आर. धुआ ने १० से १३ जनवरी २०१२ के दौरान महाराणा प्रताप कृषि तथा प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, दायपुर, राजस्थान में 'खाद्य सुरक्षा के लिए पादप रोगविज्ञान' विषय पर आयोजित तीसरा विश्व सम्मेलन में भाग लिया।

डॉ. आनंद प्रकाश ने १२ जवरी २०१२ को लखनऊ में बीजीआरईआई पर आयोजित एक समीक्षा बैठक में भाग लिया।

डॉ.एन.एन. जंभूलकर ने १९ जनवरी २०१२ को ओयूएटी, भुवनेश्वर द्वारा 'डेटा एनालिसिस यूसिंग एसएएस' पर आयोजित एक प्रशिक्षण कार्यक्रम में 'डेटा एनालिसिस यूसिंग एसएएस' पर एक व्याख्यान दिया।

डॉ.एन.एन. जंभूलकर ने २२ जनवरी २०१२ को उदयनाथ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी स्वायत्त महाविद्यालय, अडसपुर के कंपयूटर विज्ञान विभाग द्वारा '२१वीं सदी के आधुनिक भारतीय समाज पर सूचना प्रौद्योगिकी का प्रभावः ओडिशा के संबंध में अध्ययन' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'कृषि में सूचना प्रौद्योगिकी का प्रयोग' पर एक व्याख्यान दिया। इस संगोष्ठी को यूजीसी ने प्रायोजित किया था।

had a meeting with the Director General, ICAR, New Delhi on 25 Jan 2012.

Dr T. Mohapatra attended the Research Advisory Committee meeting of the Directorate of Rapeseed-Mustard, ICAR, Bharatpur on 31 Jan 2012.

Dr T. Mohapatra delivered a special lecture in the National Symposium on Bioinformatics at the University of Jammu, Jammu on 2 Feb 2012.

Dr S.G. Sharma participated in the Partners' meeting on Health Foods at CIPHET, ICAR, Ludhiana from 2 to 3 Feb 2012.

Dr T. Mohapatra attended the Stakeholders Consultation Meeting at the DRR, ICAR, Hyderabad on 10 Feb 2012.

Dr S.K. Dash attended a training programme on "Phenotyping and Molecular Breeding for Drought Adaptive Traits" at the University of Agricultural Sciences, Bangalore from 13 to 22 Feb 2012.

Dr T. Mohapatra attended the Directors' Conference at IARI, ICAR, New Delhi from 17 to 18 Feb 2012.

Dr N.N. Jambhulkar attended the Results-Frameworks Documents meeting at Krishi Bhawan, New Delhi on 21 Feb 2012.

Dr T. Mohapatra delivered a lead lecture in the International Conference on "Plant Biotechnology and Food Security: New Frontiers" at New Delhi on 22 Feb 2012.

Dr T. Mohapatra delivered a lead lecture in the National Symposium on "Rice-based Farming Systems for Livelihood Security under Changing Climate Scenario" at the College of Agriculture, Chiplima, Sambalpur on 29 Feb 2012.

Dr T. Mohapatra attended the Selection Committee Meeting at the ASRB, New Delhi on 2 Mar 2012.

Dr T. Mohapatra attended the Research Advisory Committee meeting at the DWR, ICAR, Karnal on 5 Mar 2012.

Dr T. Mohapatra attended the Institute Management Committee meeting at the NBFGR, ICAR, Lucknow on 6 Mar 2012.

Dr G.J.N. Rao attended a meeting on "Genetic Improvement of Rice with Special Reference to Eastern India" at the Department of Agriculture and Cooperation, Ministry of Agriculture, Government of India, New Delhi on 12 Mar 2012.

Drs B.N. Sadangi and Lipi Das attended the Global Conference on "Women in Agriculture" organized by ICAR and APARI at the NASC Complex, New Delhi from 13 to 15 Mar 2012.

Dr T. Mohapatra attended the NAIP Annual Workshop at New Delhi from 19 to 20 Mar 2012.

Dr T. Mohapatra attended the ICAR-IRRI meeting at the NASC, New Delhi on 21 Mar 2012.

डॉ. त्रिलोचन महापात्र ने २४ जनवरी २०१२ को एएसआरबी, नई दिल्ली में आयोजित एक चयन समिति बैठक में भाग लिया तथा २५ जनवरी २०१२ को महानिदेशक, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के साथ एक बैठक में भाग लिया।

डॉ. त्रिलोचन महापात्र ने ३१ जनवरी २०१२ को तोरिया और सरसों अनुसंधान निदेशालय, भरतपुर में आयोजित अनुसंधान सलाहकार समिति की बैठक में भाग लिया।

डॉ. त्रिलोचन महापात्र ने २ फरवरी २०१२ को जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू में आयोजित राष्ट्रीय परिसंवाद में बायोइंफोरमेटिक्स पर एक विशेष व्याख्यान प्रदान किया।

डॉ. एस.जी. शर्मा ने २ से ३ फरवरी २०१२ को सीपेट, आईसीएआर, लुधियाना में 'स्वस्थ खाद्य' पर आयोजित साझेदारी बैठक में भाग लिया।

डॉ. त्रिलोचन महापात्र ने १० फरवरी २०१२ को चावल अनुसंधान निदेशालय, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, हैदराबाद में आयोजित हितधारक सलाहकार बैठक में भाग लिया।

डॉ.एस.के. दाश ने १३ से २२ फरवरी २०१२ के दौरान कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय, बैंगलूर में 'सूखा अनुकूलक लक्षणों के लिए फिनोटाइपिंग तथा आण्विक प्रजनन' विषय पर आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।

डॉ. त्रिलोचन महापात्र ने १७ से १८ फरवरी २०१२ के दौरान आईएआरआई, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली में आयोजित निदेशक सम्मेलन में भाग लिया।

डॉ. त्रिलोचन महापात्र ने २२ फरवरी २०१२ को नई दिल्ली में 'पादप जैवप्रौद्योगिकी तथा खाद्य सुरक्षाः नई सीमाएं' विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक अग्रणी व्याख्यान प्रदान किया।

डॉ. टी. महापात्र ने २२ फरवरी २०१२ को कृषि महाविद्यालय, चिपलिमा, संबलपुर में 'बदलते जलवायु परिवेश में आजीविका सुरक्षा के लिए चावल आधारित खेती प्रणालियां' पर आयोजित राष्ट्रीय परिसंवाद में भाग लिया।

डॉ. त्रिलोचन महापात्र ने ५ मार्च २०१२ को डीडब्ल्यूआर, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, करनाल में आयोजित अनुसंधान सलाहकार समिति की बैठक में भाग लिया।

डॉ. त्रिलोचन महापात्र ने ६ मार्च २०१२ को एनबीएफजीआर, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, लखनऊ में आयोजित संस्थान प्रबंधन समिति की बैठक में भाग लिया।

डॉ.एन.एन. जंभूलकर ने २१ फरवरी २०१२ को कृषि भवन, नई दिल्ली में रिजल्टस-फ्रेमवर्कस् डाक्यूमेंट्स पर आयोजित बैठक में भाग लिया।

डॉ.जी.जे.एन.राव ने १२ मार्च २०१२ को भारत सरकार के कृषि मंत्रालय के कृषि और सहकारिता विभाग में 'पूर्वी भारत के संदर्भ में चावल के आनुवंशिक सुधार' विषय पर आयोजित एक बैठक में भाग लिया।

डॉ. त्रिलोचन महापात्र ने १९ से २० मार्च २०१२ के दौरान नई दिल्ली में आयोजित एनएआईपी वार्षिक कार्यशाला में भाग लिया।

डॉ.बी.एन. सडंगी तथा डॉ. लिपि दास ने १३ से १५ मार्च २०१२ के दौरान एनएएससी कांपलैक्स, नई दिल्ली में भाकृअनुप तथा एपीएआरआई द्वारा 'कृषि में महिलाएं' पर आयोजित वैश्विक सम्मेलन में भाग लिया।

डॉ. त्रिलोचन महापात्र ने २१ मार्च २०१२ को एनएएससी, नई दिल्ली में आयोजित आईसीएआर-आईआरआरआई बैठक में भाग लिया।

Distinguished Visitors at CRRI, Cuttack

DR K.C. Bansal, Director, National Bureau of Plant Genetic Resources (NBPGR), New Delhi on 4 Jan 2012.

Shri G.C. Pati, IAS, Additional Secretary, Department of Agriculture and Cooperation, Ministry of Agriculture, Government of India, New Delhi on 23 Feb 2012.

Dr Wais Kabir, Executive Chairman, Bangladesh Agriculture Research Council on 15 Mar 2012.

B. Behera

Drs S.K. Pradhan (left) and O.N. Singh explain rice lines under evaluation in the RGA to Dr Wais Kabir (right).

Foreign Deputation

DR J.N. Reddy attended the 12th SABRAO Congress on "Plant Breeding Towards 2025: Challenges in a Rapidly Changing World" in Thailand from 13 to 16 Jan 2012.

Appointment

DR T. Mohapatra, as Director, CRRI, Cuttack on 13 Jan 2012.

Shri B.K. Sinha as Senior Administrative Officer in CRRI, Cuttack on 17 Jan 2012.

Dr Yogesh Kumar as Senior Scientist (Plant Breeding) at CRURRS, Hazaribag on 21 Mar 2012.

Promotion

SHRI P. Jana from T-6 to T 7-8 with effect from 5 Dec 2009.

Shri M.D. Ojha from Assistant to AAO w.e.f. 25 Feb 2012.

Retirement

SHRI R.K. Lenka, T-5, Shri S.K. Parida, AAO, Shri Mangal Singh, SSS and Shri R.N. Acharya, SSS on 31 Jan 2012.

Shri P.C. Naik, Administrative Officer, Shri S.C. Pothal, T-4 and Shri Naka Rout, SSS on 29 Feb 2012.

Dr S. Sasmal, Principal Scientist, Shri P.K. Mohapatra, T-3 and Shri Sibnath Choudhury, SSS on 31 Mar 2012.

Necrology

SHRI Kala Singh, SSS, on 4 Feb 2012 and Shri M.R. Jena, T-I-3, on 19 Mar 2012.

विशेष आगंतुक

डॉ.के.सी. बंसल, निदेशक, राष्ट्रीय पादप आनुवंशिकी ब्यूरो, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली ने ४ जनवरी २०१२ को सीआरआरआई का परिदर्शन किया।

श्री जी.सी. पति, आई.ए.एस., अतिरिक्त सचिव, कृषि एवं सहकारिता विभाग, कृषि मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली ने २३ फरवरी २०१२ को सीआरआरआई का परिदर्शन किया।

डॉ. वइस कबीर, कार्यकारी अध्यक्ष, बांग्लादेश कृषि अनुसंधान परिषद ने १५ मार्च २०१२ को सीआरआरआई का परिदर्शन किया।

विदेश प्रतिनियुक्ति

डॉ. जे.एन. रेड्डी ने थाइलैंड में १३ से १६ जनवरी २०१२ के दौरान 'वर्ष २०२५ में पौध प्रजननः तेजी से बदलते पृथ्वी में चुनौतियां' विषय पर आयोजित १२वीं साब्राओ कांग्रेस में भाग लिया।

नियुक्ति

डॉ. त्रिलोचन महापात्र ने १३ जनवरी २०१२ से सीआरआरआई का निदेशक का कार्यभार संभाल लिया है।

श्री बाबूल कुमार सिन्हा ने १३ जनवरी २०१२ से सीआरआरआई का वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी का कार्यभार संभाल लिया है।

डॉ. योगेश कुमार ने २१ मार्च २०१२ से सीआरयूआरआरएस, हजारीबाग में वरिष्ठ वैज्ञानिक पद (पौध प्रजनन) का कार्यभार संभाल लिया है।

प्रोन्नति

श्री पी.जाना को टी-६ से टी-७-८ के पद में ५ दिसंबर २०११ को पदोन्नति मिली।

श्री मुरली धर ओझा को सहायक से सहायक प्रशासनिक अधिकारी के पद में २५ फरवरी २०१२ को पदोन्नति मिली।

सेवानिवृत्ति

श्री आर.के.लेंका, टी-५, श्री एस.के.परिडा, सहायक प्रशासनिक अधिकारी, श्री मंगल सिंह, एसएसएस तथा श्री आर.एन. आचार्य, एसएसएस ३१ जनवरी २०१२ को सेवानिवृत्ति हुए।

श्री पी.सी. नाएक, प्रशासनिक अधिकारी, श्री एस.सी. पोथाल, टी-४ तथा श्री नाका राउत, एसएसएस २९ फरवरी २०१२ को सेवानिवृत्ति हुए।

डॉ.एस. सास्मल, प्रधान वैज्ञानिक, श्री पी.के. महापात्र, टी-३ तथा श्री शिवनाथ चौधरी, एसएसएस ३१ मार्च २०१२ को सेवानिवृत्ति हुए।

निधन

श्री काला सिंह, कुशल सहायक कर्मचारी का ४ फरवरी २०१२ तथा श्री एम.आर. जेना, टी-१-३ का १९ मार्च २०१२ को निधन हो गया।

निदेशक की कलम से: टी. महापात्र

From the Director's Desk: T. Mohapatra

INCREASE in the allocation by the Hon'ble Union Minister of Finance for the initiative of 'Bringing Green Revolution to Eastern India (BGREI)' from ₹400 crores in 2011-12 to ₹1,000 crores in 2012–13, support the efforts of the CRRI, Cuttack, as the Nodal Agency for the technical backstopping of BGREI. The Hon'ble Union Finance Minister also said that "I am happy to inform the House that the initiative of Bringing Green Revolution to Eastern India (BGREI) has resulted in a significant increase in production and productivity of paddy. States in eastern India have reported additional paddy production of seven million tonnes in *Kharif* 2011." The CRRI was able to implement the initiatives because of the coordination and cooperation from the State Departments of Agriculture, State Agricultural Universities, ATMA, and the KVKs who were involved in improving the cultivation practices at the farmers' level.

The CRRI showcased its technologies at the Regional Agriculture Fair 2012 to the participating farmers from the eastern India. This provided an opportunity not only to expose the farmers to state-of-the-art research facilities but also to get feedback from the stakeholders.

The CRRI based on various inputs from the farmers, officials from the State Departments of Agriculture and the seed agencies is in the process of evolving a proposal for the XII Plan that will consider demand driven agricultural research to tackle production, productivity, climatic change, biotic and abiotic stresses and resurgence of pests and diseases.

The CRRI will be celebrating its 66th Foundation Day on 23 April 2012. This will provide another opportunity for the farmers and stakeholders to interact with the scientists and other agencies.

माननीय केंद्रीय वित्त मंत्री द्वारा 'पूर्वी भारत में हरित क्रांति आरंभ करने के लिए' (बीजीआरईआई) शीर्षक परियोजना के पहल हेतु वर्ष २०११-१२ में ४०० करोड़ रुपये से वर्ष २०१२-१३ में १००० हजार करोड़ रुपये की आबंटन में वृद्धि करने के कारण 'बीजीआरईआई' को तकनीकी सहायता प्रदान करने के लिए एक नोडल एजेंसी के रूप में सीआरआरआई द्वारा किए जा रहे प्रयासों को समर्थन मिली। माननीय केंद्रीय वित्त मंत्री ने यह भी कहा कि 'मुझे सदन को यह सूचित करते हुए प्रसन्नता है कि पूर्वी भारत में हरित क्रांति आरंभ करने के लिए नामक परियोजना के पहल द्वारा चावल उत्पादन तथा उत्पादकता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। पूर्वी भारत के राज्यों से सूचना प्राप्त हुई है कि २०११ के खरीफ फसल से सात मिलीयन टन की अतिरिक्त चावल उत्पादन हुआ है।' सीआरआरआई इस पहल को राज्य कृषि विभाग, राज्य कृषि विश्वविद्यालय, आत्मा तथा कृषि विज्ञान केंद्रों के सहयोग तथा समन्वयन के कारण कार्यान्वयन कर सका है जो किसानों के स्तर पर खेती पद्धतियों में सुधार करने के लिए शामिल हुए थे।

सीआरआरआई ने आयोजित क्षेत्रीय कृषि मेले में पूर्वी भारत के प्रतिभागी किसानों को अपनी प्रौद्योगिकियों का प्रदर्शन किया। इससे किसानों को न केवल संस्थान में मौजूद नवीनतम अनुसंधान सुविधाओं से अवगत होने का अवसर प्राप्त हुआ बल्कि हितधारकों से प्रतिक्रियाएं भी मिली।

किसानों, राज्य सरकार के कृषि विभाग के अधिकारियों तथा बीज अभिकरणों से प्राप्त विभिन्न प्रतिपुष्टियों के आधार पर सीआरआरआई बारहवीं योजना के लिए एक प्रस्ताव तैयार करने के लिए प्रयासरत है ताकि कृषि अनुसंधान को उत्पादन, उत्पादकता, जलवायु परिवर्तन, जैविक एवं अजैविक समस्यायें से निपटने के लिए उभरती मांग को संचालित किया जा सके तथा नाशककीटों एवं बीमारियों के पुनर्जीवन को नियंत्रित किया जा सके।

सीआरआरआई अपना ६६वां स्थापना दिवस २३ अप्रैल २०१२ को मनाने जा रहा है। किसानों तथा हितधारकों के लिए वैज्ञानिकों तथा अन्य अभिकरणों के साथ विचार विमर्श के लिए यह एक और अवसर प्रदान करेगा।

Director: T. Mohapatra

Coordination: B.N. Sadangi

Compilation: Sandhya Rani Dalal *Hindi translation:* G. Kalundia and B.K. Mohanty

Editor: Ravi Viswanathan

Laser typeset at the Central Rice Research Institute, Indian Council of Agricultural Research, Cuttack (Orissa) 753 006, India, and printed in India by the Print-Tech Offset Pvt. Ltd., Bhubaneswar (Orissa) 751 024.
Published by the Director, for the Central Rice Research Institute, ICAR, Cuttack (Orissa) 753 006.

Visit us at: